[नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत CBSE द्वारा जारी नवीनतम पाठ्यक्रम एवं NCERT द्वारा जारी नवीनतम पाठ्यपुस्तकों पर आधारित]

संजीव रिफ्रेशर

हिन्दी

(कक्षा 8 के विद्यार्थियों के लिए)

मुख्य विशेषताएँ

1. सभी कविताओं का कविता सार
2. सम्पूर्ण कविताओं का कठिन शब्दार्थ सहित भावार्थ
3. काव्यांशों पर आधारित बहुवैकल्पिक प्रश्न एवं अर्थग्रहण सम्बन्धी प्रश्न
4. सभी गद्य पाठों का सार
5. सभी गद्य पाठों के कठिन शब्दों के अर्थ
6. महत्त्वपूर्ण गद्यांशों पर आधारित बहुवैकल्पिक प्रश्न एवं अर्थग्रहण सम्बन्धी प्रश्न
7. पाठ्यपुस्तक के सभी प्रश्न
8. पाठ्यक्रमानुसार अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न
9. व्याकरण
10. अपठित बोध
11. पत्र-लेखन
12. निबन्ध-लेखन
13. अनुच्छेद-लेखन
14. संवाद-लेखन
15. सूचना-लेखन

प्रकाशक :
संजीव प्रकाशन
जयपुर

मूल्य :
₹ 220.00

प्रकाशक :
संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,
जयपुर-3
email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
website : www.sanjivprakashan.com

© प्रकाशकाधीन

लेजर टाइपसैटिंग :
संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

★ ★ ★ ★

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—
  email : sanjeevcompetition@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग, संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीक या तरीके—इलेक्ट्रोनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है।
- हमने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय-सूची

वसंत : भाग-3

1.	लाख की चूड़ियाँ	(कामतानाथ)	1-13
2.	बस की यात्रा	(हरिशंकर परसाई)	14-26
3.	दीवानों की हस्ती	(भगवतीचरण वर्मा)	27-33
4.	भगवान के डाकिए	(रामधारी सिंह 'दिनकर')	34-39
5.	क्या निराश हुआ जाए	(हजारी प्रसाद द्विवेदी)	40-52
6.	यह सबसे कठिन समय नहीं	(जया जादवानी)	53-60
7.	कबीर की साखियाँ	(कबीर)	61-68
8.	सुदामा चरित	(नरोत्तमदास)	69-80
9.	जहाँ पहिया है	(पी. साईनाथ)	81-94
10.	अकबरी लोटा	(अन्नपूर्णानंद वर्मा)	95-109
11.	सूरदास के पद	(सूरदास)	110-115
12.	पानी की कहानी	(रामचंद्र तिवारी)	116-131
13.	बाज और साँप	(निर्मल वर्मा)	132-143

भारत की खोज

पूरक पाठ्यपुस्तक

1.	अहमदनगर का किला	144-146
2.	तलाश	147-153
3.	सिंधु घाटी सभ्यता	154-171
4.	युगों का दौर	172-185
5.	नई समस्याएँ	186-196
6.	अंतिम दौर—एक	197-204
7.	अंतिम दौर—दो	205-208
8.	तनाव	209-210

9.	दो पृष्ठभूमियाँ—भारतीय और अंग्रेजी	211–214
	पाठ्यपुस्तक के प्रश्न	215–221

व्याकरण

1.	भाषा	222–224
2.	वर्ण-विचार	225–229
3.	शब्द विचार	229–233
4.	संज्ञा	233–236
5.	संज्ञा के विकारक तत्त्व—(1) लिंग (2) वचन (3) कारक	236–244
6.	सर्वनाम	244–246
7.	विशेषण	246–249
8.	क्रिया	249–252
9.	क्रिया के काल	252–254
10.	क्रिया-विशेषण	254–256
11.	संबंधबोधक अव्यय	256–258
12.	समुच्चयबोधक अव्यय	258–261
13.	विस्मयादिबोधक अव्यय	261–262
14.	समास	262–266
15.	संधि	266–272
16.	उपसर्ग	272–275
17.	प्रत्यय	276–279
18.	शब्द-भण्डार—(i) विलोम शब्द (ii) एकार्थी शब्द (iii) पर्यायवाची शब्द (iv) अनेकार्थी शब्द (v) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (vi) पुनरुक्त शब्द (vii) युग्म शब्द	279–297
19.	वाक्य भेद	297–301
20.	विराम चिन्ह	301–305
21.	शुद्ध और अशुद्ध शब्द एवं वाक्य	305–311
22.	मुहावरे	311–322

23.	लोकोक्तियाँ	322-330
24.	अलंकार	330-335

अपठित बोध

अपठित गद्यांश-पद्यांश

(i) अपठित गद्यांश	336-343
(ii) अपठित पद्यांश	343-349

रचना

1.	पत्र-लेखन	350-361
2.	निबन्ध लेखन	362-379
3.	अनुच्छेद लेखन	380-382
4.	संवाद-लेखन	383-387
5.	सूचना-लेखन	388-390

हिन्दी कक्षा-8

वसंत : भाग-3

पाठ 1

लाख की चूड़ियाँ

(कामतानाथ)

पाठ सार

'लाख की चूड़ियाँ' कहानी कामतानाथ द्वारा रचित है। इस कहानी में मशीनों के बढ़ते प्रयोग के दुष्प्रभाव को दिखाया गया है कि कैसे हाथ से काम करने वाले कारीगर आज के जमाने में बेरोज़गार होते जा रहे हैं और साथ ही उनके पूर्वजों के उद्योग-धन्धे भी समाप्त होते जा रहे हैं। लेखक को अपने मामा के गाँव में बदलू सबसे अच्छा लगता था। वह पेशे से मनिहार होने के नाते लाख की चूड़ियाँ बनाता था। गाँव के सभी बच्चे उसे 'बदलू काका' कहते थे। इसलिए लेखक भी उसे 'बदलू मामा' के स्थान पर 'बदलू काका' ही कहता था। उसकी बनाई हुई चूड़ियाँ गाँव की सभी औरतों के अलावा आस-पास के गाँवों की औरतें भी खरीद कर बड़े शौक से पहनती थीं।

लेकिन मशीनों के बढ़ते प्रयोग के कारण जहाँ ग्रामीण औरतें अब काँच की चूड़ियाँ पहनने लगी थीं, वहीं बदलू का लाख की चूड़ियाँ बनाने का धन्धा बन्द हो जाने के कारण वह बेकार हो गया था। लेखक जब कई वर्षों बाद अपने मामा के गाँव जाकर 'बदलू काका' से मिला, तब उसने अनुभव किया कि काम बन्द होने के कारण 'बदलू काका' अंदर ही अंदर टूट चुका है। उसने बताया कि इस मशीनी युग ने न जाने कितने हाथ काट दिये हैं। इस प्रकार इस कहानी में मशीनी युग का शिकार हुए व्यक्ति बदलू की पीड़ा का मार्मिक वर्णन किया गया है।

कठिन शब्दार्थ—

(पेज-5)—**चाव** = रुचि, शौक। **ढेर** = बहुत सी। **मन मोह लेना** = आकर्षित करना। **सहन** = आँगन। **भट्ठी** = अँगीठी। **दहकना** = जलना। **चौखट** = दरवाजे का फ्रेम।

(पेज-6)—**सलाख** = छड़। **आकार** = रूप देना। **बेलननुमा** = गोलाकार। **मुँगेरियाँ** = लकड़ी की मुँगेरी। **मचिया** = बैठने की छोटी सी चारपाई (चौकी)। **नव-वधू** = नई दुल्हन। **मनिहार** = चूड़ी बनाने वाला। **पैतृक** = पुरखों का। **पेशा** = व्यवसाय। **खपत** = माल की बिक्री। **वस्तु विनिमय** = एक वस्तु के बदले में दूसरी वस्तु का आदान-प्रदान। **ज़िद पकड़ना** = किसी वस्तु पर अड़ जाना। **मुफ्त** = बिना पैसों के। **सुहाग का जोड़ा** = विवाह के समय पहना जाने वाला। **बिगड़ना** = नाराज होना। **लोहे लगाना** = कठिनाई में। **पगड़ी** = सिर पर पहनने का वस्त्र।

(पेज-7)—**चिढ़** = खीझना। **कुढ़न** = जलना, ईर्ष्या करना। **मरद** = आदमी। **नाजुक** = कमजोर। **मोच** = हाथ मुड़ जाना। **खातिर** = आवभगत, आदर।

(पेज-8)—**विरले** = अनोखे, बहुत कम। **सहसा** = अचानक। **आँगन** = दालान। **मरहम-पट्टी** = इलाज करना। **खाट** = चारपाई। **निहारना** = पहचान करना। **स्मृति पटल** = याददाश्त। **अतीत** = बीता हुआ समय। **चित्र उतारना** = तस्वीर खींचना। **एकदम** = अचानक, एकाएक।

(पेज-9)—**मशीन युग** = मशीनों का जमाना। **अवस्था** = आयु। **ढल चुका** = क्षीण होना। **नसें उभरना** = शरीर की नाड़ियाँ दिखाई देना। **शंका** = शक। **भाँप ली** = पहचान ली। **व्यथा** = दुःख, परेशानी। **हाथ काट दिये** = पंगु बना दिए। **लहककर** = खुश होकर। **मुखातिब** = देखकर बात करना।

(पेज-10)—**डलिया** = टोकरी। **उमर** = आयु। **बखत** = समय। **सिंदूरी** = लाल। **अंजुली** = हथेली। **ठिठकना** = रुकना। **फबना** = बहुत अच्छा लगना। **दस आने** = 40 पैसे (एक आने में चार पैसे व सोलह आने का एक रुपया)। **फसली** = मौसमी।

महत्त्वपूर्ण गद्यांशों पर आधारित प्रश्न

निर्देश—नीचे दिये गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(1)

वैसे तो मेरे मामा के गाँव का होने के कारण मुझे बदलू को 'बदलू मामा' कहना चाहिए था परंतु मैं उसे 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' कहा करता था, जैसा कि गाँव के सभी बच्चे उसे कहा करते थे। बदलू का मकान कुछ ऊँचे पर बना था। मकान के सामने बड़ा-सा सहन था जिसमें एक पुराना नीम का वृक्ष लगा था। उसी के नीचे बैठकर बदलू अपना काम किया करता था। बगल में भट्ठी दहकती रहती जिसमें वह लाख पिघलाया करता। सामने एक लकड़ी की चौखट पड़ी रहती जिस पर लाख के मुलायम होने पर वह उसे सलाख के समान पतला करके चूड़ी का आकार देता। पास में चार-छह विभिन्न आकार की बेलननुमा मुँगेरियाँ रखी रहतीं जो आगे से कुछ पतली और पीछे से मोटी होतीं। लाख की चूड़ी का आकार देकर वह उन्हें मुँगेरियों पर चढ़ाकर गोल और चिकना बनाता और तब एक-एक कर पूरे हाथ की चूड़ियाँ बना चुकने के पश्चात वह उन पर रंग करता।

(i) बहुविकल्पी प्रश्न—

1. लेखक 'बदलू' को क्या कहता था?
   (क) बदलू मामा (ख) बदलू काका
   (ग) बदलू चाचा (घ) बदलू भैया ( )
2. बदलू के आँगन में किसका पेड़ लगा हुआ था?
   (क) आम का (ख) शीशम का
   (ग) नीम का (घ) अनार का ( )
3. बदलू किसकी चूड़ियाँ बनाता था?
   (क) काँच की (ख) लाख की (ग) पीतल की (घ) काँसे की ( )
4. बदलू भट्टी से क्या करता था?
   (क) काँच पिघलाता था (ख) दूध उबालता था
   (ग) लाख पिघलाता था (घ) पीतल पिघलाता था ( )
5. बदलू लाख की चूड़ियों को गोल आकार कैसे देता था?
   (क) बेलननुमा मुँगेरियों पर चढ़ाकर (ख) साँचे में डालकर
   (ग) गोल लकड़ी पर घुमाकर (घ) लोहे की छड़ पर चढ़ाकर ( )

उत्तर—1. (ख) 2. (ग) 3. (ख) 4. (ग) 5. (क)

(ii) अर्थग्रहण सम्बन्धी प्रश्न—

प्रश्न—(क) गाँव के सभी बच्चे बदलू को क्या कहकर पुकारते थे?
(ख) गाँव में बदलू का मकान कहाँ बना हुआ था?
(ग) बदलू किसके नीचे बैठकर अपना काम करता था?
(घ) बदलू लाख की चूड़ियाँ कैसे बनाता था?

उत्तर—(क) गाँव के सभी बच्चे बदलू को 'बदलू काका' कहकर पुकारते थे।
(ख) गाँव में बदलू का मकान ऊँचे स्थान पर बना हुआ था।
(ग) बदलू नीम के पेड़ के नीचे बैठकर अपना काम किया करता था।
(घ) बदलू सबसे पहले लाख को पिघलाता था फिर उसे सलाख के समान पतला करके चूड़ी का आकार देकर बेलननुमा लकड़ी की मुँगेरियों पर चढ़ाकर गोल और चिकना बनाता था। जब एक-एक कर पूरे हाथ की चूड़ी बन जाती तो वह उन पर रंग-रोगन कर देता था।

(2)

बदलू यह कार्य सदा ही एक मचिये पर बैठकर किया करता था जो बहुत ही पुरानी थी। बगल में ही उसका हुक्का रखा रहता जिसे वह बीच-बीच में पीता रहता। गाँव में मेरा दोपहर का समय अधिकतर बदलू के पास

बीतता। वह मुझे 'लला' कहा करता और मेरे पहुँचते ही मेरे लिए तुरंत एक मचिया मँगा देता। मैं घंटों बैठे-बैठे उसे इस प्रकार चूड़ियाँ बनाते देखता रहता। लगभग रोज़ ही वह चार-छह जोड़े चूड़ियाँ बनाता। पूरा जोड़ा बना लेने पर वह उसे बेलन पर चढ़ाकर कुछ क्षण चुपचाप देखता रहता मानो वह बेलन न होकर किसी नव-वधू की कलाई हो।

(i) बहुविकल्पी प्रश्न—

1. बदलू कौन-सा कार्य सदा एक मचिये पर बैठकर किया करता था?
(क) काँच की चूड़ियाँ बनाने का (ख) लाख की चूड़ियाँ बनाने का
(ग) नीम की पत्तियाँ जोड़ने का (घ) आम खाने का ( )
2. बदलू की मचिया कैसी थी?
(क) नयी (ख) पुरानी (ग) टूटी हुई (घ) बहुत बड़ी ( )
3. बदलू लेखक को क्या कहकर पुकारता था?
(क) काका (ख) मामा (ग) चाचा (घ) लला ( )
4. लेखक का दिन का कौन-सा समय अधिकतर बदलू के पास बीतता था?
(क) सुबह का समय (ख) दोपहर के बाद का समय
(ग) दोपहर का समय (घ) सायं का समय ( )
5. बदलू लेखक को किस पर बैठाता था?
(क) ज़मीन पर (ख) मचिया पर (ग) चारपाई पर (घ) मोढ़े पर ( )

उत्तर—1. (ख) 2. (ख) 3. (घ) 4. (ग) 5. (ख)

(ii) अर्थग्रहण सम्बन्धी प्रश्न—

प्रश्न—(क) बदलू चूड़ियाँ बनाने का काम किस पर बैठकर किया करता था?
(ख) बदलू का हुक्का कहाँ रखा रहता था? वह उसका क्या करता था?
(ग) बदलू किसके पहुँचते ही मचिया मँगवाता था और क्यों?
(घ) बदलू को चूड़ियों से सजा बेलन नव-वधू की कलाई क्यों लगता था?

उत्तर—(क) बदलू चूड़ियाँ बनाने का काम मचिया पर बैठकर किया करता था।
(ख) बदलू का हुक्का उसके बगल में रखा रहता था। वह हुक्के को काम के बीच-बीच में पीता रहता था।
(ग) बदलू लेखक के पहुँचते ही आदर-सम्मान की दृष्टि से मचिया मँगवाता था।
(घ) जिस प्रकार नई वधू की कलाई चूड़ियों से खिल उठती है, वैसे ही जब एक हाथ की चूड़ियाँ सही आकार के लिए बेलन पर चढ़ाई जातीं तो वह भी खिला हुआ प्रतीत होता था।

(3)

बदलू मनिहार था। चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पेशा था और वास्तव में वह बहुत ही सुंदर चूड़ियाँ बनाता था। उसकी बनाई हुई चूड़ियों की खपत भी बहुत थी। उस गाँव में तो सभी स्त्रियाँ उसकी बनाई हुई चूड़ियाँ पहनती ही थीं, आस-पास के गाँवों के लोग भी उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। परंतु वह कभी भी चूड़ियों को पैसों से बेचता न था। उसका अभी तक वस्तु-विनिमय का तरीका था और लोग अनाज के बदले उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। बदलू स्वभाव से बहुत सीधा था। मैंने कभी भी उसे किसी से झगड़ते नहीं देखा। हाँ, शादी-विवाह के अवसरों पर वह अवश्य ज़िद पकड़ जाता था। जीवन भर चाहे कोई उससे मुफ्त चूड़ियाँ ले जाए परंतु विवाह के अवसर पर वह सारी कसर निकाल लेता था। आखिर सुहाग के जोड़े का महत्त्व ही और होता है।

(i) बहुविकल्पी प्रश्न—

1. बदलू के लिए मनिहार शब्द का प्रयोग क्यों किया जाता था?
(क) क्योंकि वह चूड़ियाँ बनाने का काम करता था
(ख) क्योंकि वह लकड़ी का काम करता था
(ग) क्योंकि वह भट्ठी जलाने का काम करता था
(घ) क्योंकि वह मचिया बनाने का काम करता था। ( )

भारत की खोज
(पूरक पाठ्यपुस्तक)

पाठ 1 अहमदनगर का किला

पाठ का सार

'अहमदनगर का किला' में बंदी जीवन बिताते हुए 13 अप्रैल 1944 को पं. नेहरू द्वारा जो विचाराभिव्यक्ति की गई है, उसका वर्णन 'अतीत का भार' और 'अतीत का दबाव' शीर्षकों के अन्तर्गत किया गया है। यह उनकी नौवीं जेल यात्रा थी। उन्हें यहाँ आये बीस महीने से अधिक समय हो चुका था। जिस दिन वे वहाँ बंदी बनकर आये थे उस दिन शुक्ल पक्ष का 'दूज का चांद' था, जो उन्हें यह बताता था कि उनका एक महीना पूरा हो चुका है। यह चाँद ही उनके बंदी जीवन का स्थायी साथी था जो उन्हें संदेशवाहक के रूप में याद दिलाता रहता था कि अँधेरे के बाद उजाला होता है। पाठ का सार विद्यार्थियों की सुविधा की दृष्टि से शीर्षक विभाजन के आधार पर दिया जा रहा है और साथ में ही शीर्षकों से सम्बन्धित प्रश्न-पत्र भी दिए जा रहे हैं।

1. अतीत का भार

(i) पाठ का सार—

'अहमदनगर के किले' में दूसरी जेलों की तरह ही पं. नेहरू ने 'बागवानी' करना शुरू कर दिया था। वे यहाँ रोज कई घंटे तपती धूप में फूलों के लिए क्यारियाँ बनाते थे। यहाँ की सारी मिट्टी पथरीली, पुराने मलबों और अवशेषों से भरी हुई थी लेकिन उन्होंने अपने कठिन परिश्रम से उसे उपजाऊ बना दिया था।

नेहरूजी का मानना है कि यहाँ का इतिहास ज्यादा पुराना नहीं है। घटनाओं की दृष्टि से इसकी कोई विशेष अहमियत भी नहीं है। परन्तु इससे जुड़ी एक घटना आज भी याद की जाती है। यह घटना चाँद बीबी से जुड़ी है जिसने किले की रक्षा के लिए अकबर की शाही सेना के विरुद्ध तलवार उठाकर अपनी सेना का नेतृत्व किया था, लेकिन अंत में अपने ही एक व्यक्ति द्वारा उसकी हत्या कर दी गई थी।

नेहरूजी ने बताया खुदाई के दौरान हमें जमीन की सतह के बहुत नीचे दबे हुए दीवारों के हिस्से और कुछ गुंबदों और इमारतों के ऊपरी हिस्से मिले। लेकिन जेल के अधिकारियों ने इस स्थान से आगे बढ़ने की मंजूरी नहीं दी। इसलिए उन्होंने कुदाल छोड़कर अपने हाथ में कलम उठाई और यह प्रतिज्ञा की कि जब तक देश आजाद नहीं हो जाता, वे लिखते रहेंगे। लेकिन एक इतिहासकार की तरह नहीं।

(ii) कठिन शब्दार्थ—

(पेज-1)—**झिलमिलाते** = जगमगाते। **स्वागत** = आवभगत। **कारावास** = जेल। **सहचर** = साथी।

(पेज-2)—बागवानी = बाग-बगीचे लगाना। **अवशेषों** = बचे हुए पदार्थ, बचे हुए टूटे-फूटे खंडहर। **अहमियत** = विशेषता। **मंजूरी** = अनुमति। **कुदाल** = फावड़ा, मिट्टी खोदने का औजार। **दुरभि संधियाँ** = गलत इरादों द्वारा की गई गुप्त मन्त्रणा, कुचक्र।

(पेज-3)—पैगंबर = ईश्वर का दूत। **अख्तियार** = अपनाना। **राहत** = आराम।

(iii) महत्त्वपूर्ण प्रश्न—

प्रश्न 1. 'अहमदनगर का किला' नेहरूजी की कौन-सी जेल यात्रा थी?

उत्तर—'अहमदनगर का किला' स्वतन्त्रता प्राप्ति हेतु नेहरूजी की नौवीं जेल यात्रा थी।

प्रश्न 2. 'अहमदनगर का किला' नामक जेल में नेहरूजी ने कौनसा कार्य प्रारम्भ किया था?

उत्तर—'अहमदनगर का किला' नामक जेल में नेहरूजी ने बागवानी का कार्य प्रारम्भ किया था।

प्रश्न 3. अहमदनगर जेल की मिट्टी कैसी थी?

उत्तर—उस जेल की मिट्टी पथरीली और पुराने अवशेषों से भरी हुई थी।

प्रश्न 4. अहमदनगर के किले की रक्षा हेतु तलवार किसने उठाई थी?

उत्तर—अहमदनगर के किले की रक्षा हेतु चाँद बीबी ने अकबर की सेना के विरुद्ध तलवार उठाई थी।

प्रश्न 5. नेहरूजी ने कुदाल छोड़कर कलम क्यों उठाई?

उत्तर—नेहरूजी को खुदाई के समय अवशेष जरूर मिले लेकिन अधिकारियों ने उन्हें आगे की खुदाई की इजाजत नहीं दी, इसलिए उन्हें कुदाल छोड़कर कलम उठानी पड़ी।

प्रश्न 6. नेहरूजी अपनी कलम से क्या लिखना चाहते थे?

उत्तर—नेहरूजी अपनी कलम से भारत के इतिहास पर प्रकाश डालना चाहते थे।

प्रश्न 7. विद्वान गेटे ने इतिहास लेखन के बारे में क्या कहा था?

उत्तर—विद्वान गेटे ने इतिहास लेखन के बारे में कहा था कि इस तरह का इतिहास लेखन अतीत के भारी बोझ से एक सीमा तक राहत दिलाता है।

प्रश्न 8. नेहरूजी ने अपने कैदी जीवन-काल का स्थायी सहचर किसे और क्यों कहा?

उत्तर—नेहरूजी ने अपने कैदी जीवन का स्थायी सहचर चाँद को कहा, क्योंकि चाँद ही अपने निर्धारित समय पर आकर उन्हें एक-एक दिन का अहसास कराता था और वह सीख देता था कि दु:ख के बाद सुख के दिन अवश्य ही आते हैं।

(iv) बहुविकल्पी प्रश्न—

1. 'अहमदनगर का किला' पाठ किसके द्वारा लिखा गया है?
   (क) पं. जवाहरलाल नेहरू द्वारा (ख) महात्मा गाँधी द्वारा
   (ग) सुभाषचन्द्र बोस द्वारा (घ) चन्द्र शेखर आजाद द्वारा ( )
2. 'अहमदनगर का किला' नामक जेल में पं. नेहरू के बन्दी जीवन का स्थायी सहचर कौन था?
   (क) जेल अधीक्षक (ख) अँधेरा
   (ग) चाँद (घ) बागवानी का काम ( )
3. चाँद बीबी की हत्या किसने की थी?
   (क) अकबर की सेना ने (ख) उसके अपने ही एक आदमी ने
   (ग) जेल के कैदियों ने (घ) लुटेरों ने ( )
4. नेहरूजी द्वारा कलम उठाने का मुख्य उद्देश्य क्या था?
   (क) अकबर की सेना के बारे में बताना (ख) चाँद बीबी का साहस बताना
   (ग) भारतीय इतिहास पर प्रकाश डालना (घ) अंग्रेजी शासन की कमजोरियाँ बताना ( )

उत्तर—1. (क) 2. (ग) 3. (ख) 4. (ग)

व्याकरण

1. भाषा

प्रश्न 1. भाषा किसे कहते हैं?

उत्तर—वह साधन जिसके द्वारा मनुष्य लिखकर, पढ़कर, बोलकर तथा सुनकर अपने भावों या विचारों का आदान-प्रदान करता है, उसे भाषा कहते हैं।

प्रश्न 2. मातृभाषा किसे कहते हैं?

उत्तर—माँ तथा परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा बोली जाने वाली जिस भाषा से बच्चे का सबसे पहले परिचय होता है, उसे ही उसकी मातृभाषा कहते हैं।

प्रश्न 3. भाषा के कितने रूप होते हैं? रूपों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—भाषा के दो रूप होते हैं—(1) मौखिक और (2) लिखित। जब हम अपने भावों या विचारों को बोलकर प्रकट या ग्रहण करते हैं तब उसे भाषा का 'मौखिक रूप' कहा जाता है और जब हम यही कार्य लिखकर करते हैं तब वह भाषा का 'लिखित रूप' कहलाता है।

प्रश्न 4. बोली किसे कहते हैं?

उत्तर—विभिन्न क्षेत्रों में वहाँ के आम लोगों के द्वारा बोली जाने वाली भाषा को बोली कहते हैं।

प्रश्न 5. लिपि किसे कहते हैं?

उत्तर—कथित विचारों एवं भावों को लिखकर प्रकट करने हेतु निश्चित किए गए चिह्न 'लिपि' कहलाते हैं।

प्रश्न 6. हिन्दी भाषा की लिपि का क्या नाम है?

उत्तर—हिन्दी भाषा की लिपि का नाम 'देवनागरी लिपि' है।

प्रश्न 7. व्याकरण किसे कहते हैं?

उत्तर—व्याकरण वह शास्त्र है जो किसी भाषा को शुद्ध बोलना, लिखना और पढ़ना सिखलाता है।

प्रश्न 8. व्याकरण के कितने विभाग हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—व्याकरण के तीन विभाग हैं—

(1) **वर्ण विचार**—जहाँ पर वर्णों अथवा अक्षरों के आकार, उच्चारण, वर्गीकरण और उनके संयोग एवं सन्धि के नियमों पर विचार किया जाता है, उसे 'वर्ण-विचार' कहते हैं।

(2) **शब्द विचार**—जहाँ पर शब्द-भेद, उत्पत्ति, व्युत्पत्ति और रचना आदि से सम्बन्धित नियमों पर विचार किया जाता है, उसे 'शब्द-विचार' कहते हैं।

(3) **वाक्य विचार**—जहाँ पर वाक्य-भेद, अंग-उपांग, पारस्परिक संश्लेषण, वाक्य-विश्लेषण और विराम-चिह्न आदि के नियमों पर विचार किया जाता है, उसे 'वाक्य विचार' कहते हैं।

प्रश्न 9. भाषा, उपभाषा तथा बोली में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—बोली एक सीमित क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा का स्थानीय रूप है जो दस-बारह मील के बाद बदल जाती है।

विस्तृत क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा का रूप उपभाषा कहलाता है। जब कोई उपभाषा सर्वमान्य या परिनिष्ठित रूप धारण कर लेती है, तो भाषा कहलाती है।

प्रश्न 10. राष्ट्रभाषा किसे कहते हैं?

उत्तर—सभी क्षेत्रों, उपक्षेत्रों तथा प्रान्तों में अपनी-अपनी बोलियों तथा भाषाओं का प्रयोग करते रहने पर भी राष्ट्र की एकता को ध्यान में रखते हुए सभी राष्ट्रवासी जिस भाषा का प्रयोग सार्वजनिक कार्यों के लिए करते हैं, उसे राष्ट्रभाषा कहते हैं। हिन्दी सभी प्रान्तों में बोली-समझी जाने वाली तथा शासन में प्रयुक्त होने वाली भाषा 'राष्ट्रभाषा' कहलाती है।

प्रश्न 11. राजभाषा किसे कहते हैं?

उत्तर—राजकीय कार्यालयों से राजाज्ञाओं को जिस भाषा में प्रसारित किया जाता है, उसे राजभाषा कहते हैं। भारत में हिन्दी को 14 सितम्बर, 1949 के दिन संविधान सभा द्वारा संविधान में राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया है।

प्रश्न 12. भारतीय संविधान में किन भाषाओं को मान्यता दी गई है?

उत्तर—भारतीय संविधान में निम्नलिखित 22 भाषाओं को मान्यता दी गई है—असमिया, बंगला, मणिपुरी, उड़िया, नेपाली, कश्मीरी, डोगरी, संथाली, गुजराती, पंजाबी, सिंधी, बोडो, मैथिली, तमिल, तेलुगू, कोंकणी, मलयालम, कन्नड़, मराठी, उर्दू, संस्कृत और हिन्दी।

प्रश्न 13. निम्नलिखित भाषाओं की लिपियाँ बताइए—

हिन्दी-संस्कृत, पंजाबी, उर्दू, अंग्रेजी।

उत्तर—हिन्दी और संस्कृत की लिपि—देवनागरी, पंजाबी की लिपि—गुरुमुखी, उर्दू की लिपि—फारसी, अंग्रेजी की लिपि—रोमन।

प्रश्न 14. हिन्दी की कौन-कौनसी उपभाषाएँ हैं? नाम लिखिए।

उत्तर—हिन्दी की प्रमुख रूप से पाँच उपभाषाएँ हैं—पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी और पहाड़ी।

प्रश्न 15. साहित्य किसे कहते हैं?

उत्तर—वर्णों और भाषा के शब्दों में जो कुछ लिखा जाता है, अपने व्यापक अर्थ में वह साहित्य कहलाता है, अर्थात् ज्ञान-राशि के संचित कोश का नाम ही साहित्य है।

प्रश्न 16. हिन्दी दिवस कब मनाया जाता है?

उत्तर—'हिन्दी दिवस' प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाता है।

प्रश्न 17. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. ....अपने विचार प्रकट करने और दूसरों के विचार समझने का सशक्त साधन है।
2. हिन्दी हमारे देश....................की राजभाषा है।
3. हिन्दी....................में लिखी जाती है।
4. हमारे देश के विभिन्न क्षेत्रों में बोली जाने वाली भाषा को....................कहते हैं।
5. ज्ञान राशि के संचित कोश का नाम ही....................है।

उत्तर—1. भाषा 2. भारत 3. देवनागरी लिपि 4. बोली 5. साहित्य।

प्रश्न 18. बहुविकल्पी प्रश्न—निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेतु सही विकल्प को चुनिए :

1. इनमें से कौन-सी भारतीय भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है?
   (क) कश्मीरी (ख) डोगरी
   (ग) बोडो (घ) भोजपुरी ( )
2. पंजाबी भाषा किस लिपि में लिखी जाती है?
   (क) रोमन (ख) देवनागरी
   (ग) गुरुमुखी (घ) फारसी ( )
3. भारत में कितनी भाषाओं को संवैधानिक मान्यता प्राप्त है?
   (क) 20 (ख) 22
   (ग) 21 (घ) 24 ( )
4. हिन्दी को संविधान में राजभाषा के रूप में कब स्वीकार किया गया?
   (क) 15 अगस्त, 1947 को (ख) 26 जनवरी, 1950 को
   (ग) 14 जनवरी, 1949 को (घ) 14 सितम्बर, 1949 को ( )